अनुभवों से सबक और युद्धस्तर की तैयारी होगी जरूरी

अस्पतालों में बेड, वेंटिलेटर, ऑक्सीजन संयंत्रों की तादाद बढ़ाकर और टीकाकरण अभियान में तेजी लाकर ही देश कर पाएगा तीसरी लहर का मुकाबला

सार्वजनिक-निजी भागीदारी से ही स्वास्थ्यसेवा ढांचे में सुधार संभव

बीएस संवाददाता

कोविड-19 की तीसरी लहर की आशंका के बीच देश के चिकित्सा बुनियादी ढांचे में बड़े पैमाने पर विस्तार करने की तैयारी के लिए सार्वजनिक और निजी क्षेत्र को एक साथ आना होगा जिनमें अस्पताल और चिकित्सा उपकरणों से इतर भी कई पहलू शामिल हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि भारत को न केवल महामारी से जुड़े अपने बल्कि दूसरे देशों के अनुभव से भी सबक लेने की जरूरत है। इसके साथ ही भविष्य की जरूरतों का भी पूर्वानुमान लगाना होगा। दवाओं, चिकित्सा उपकरणों के लिए आपूर्ति शृंखला तंत्र को ठीक करने से लेकर कच्चे माल का इंतजाम करने के अलावा वायरस की मौजूदा प्रवृत्ति और भविष्य में इसका क्या असर होगा, इससे जुड़े वैज्ञानिक विश्लेषण करने से भी भारत को अपनी तैयारी थोड़ी और बेहतर करने में मदद मिल सकती है।

बेड क्षमता*

2,084 कोविड अस्पताल में **4,68,974** बेड हैं जिनमें:

2,63,573	50,408	1,54,993
आइसोलेशन बेड	आईसीयू बेड	ऑक्सीजन वाले बेड

4,043 कोविड स्वास्थ्य सेवा केंद्र में **3,57,096** बेड हैं जिनमें:

2,31,462	25,459	1,00,175
आइसोलेशन बेड	आईसीयू बेड	ऑक्सीजन वाले बेड

*9 अप्रैल के डेटा के मुताबिक (स्रोत:स्वास्थ्य मंत्रालय)

बुनियादी समस्या पर हो ध्यान

विशेषज्ञों का कहना है कि भविष्य में महामारी की किसी भी लहर या किसी अन्य महामारी की तैयारी के लिए, महामारी के पहले के दौर में स्वास्थ्य सेवा तंत्र में मौजूद कमियों को समझना जरूरी है। भारत को प्रति 1,000 लोगों पर 1.35 बेड की मौजूदा क्षमता से कम से कम तीन गुना बेड की जरूरत है। मोटे अनुमानों के मुताबिक, मौजूदा एक लाख आईसीयू बेड की तात्कालिक जरूरत के मुकाबले चार लाख बेड की जरूरत है। महामारी की दूसरी लहर के दौरान ऑक्सीजन बेड की तलाश में भटकते हुए लोगों के मरने और सैकड़ों किलोमीटर की यात्रा कर एक अस्पताल में भर्ती होने के लिए संघर्ष कर रहे आम लोगों की दशा ने अस्पताल के बुनियादी ढांचे की कमजोरियों को उजागर किया है। छोटे नर्सिंग होम और अस्पतालों के बंद होने से यह क्षमता और कम हो गई है। उद्योग के अनुमान के मुताबिक, पिछले साल सरकारी अस्पतालों में करीब 8 लाख और प्राइवेट अस्पतालों में करीब 9 लाख बेड थे।

एसोसिएशन ऑफ हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स के महानिदेशक गिरधर ज्ञानी ने कहा, 'हमने इस क्षमता में कुल मिलाकर करीब 30 प्रतिशत का इजाफा किया है लेकिन यह पर्याप्त नहीं है, खासतौर पर अगर आप छोटे शहरों और कस्बों की बात करते हैं तब।' ज्ञानी ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2018 में आयुष्मान भारत योजना की शुरुआत के दौरान कहा था कि वह मझोले और छोटे शहरों कस्बों में 3,000 से 100 बेड वाले अस्पताल देखना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'मेरी जानकारी में ऐसे अस्पतालों पर काम नहीं हुआ। राज्य सरकारों को इस पर काम करना था।' हालांकि प्राइवेट अस्पताल मांग देखते हुए अपनी क्षमता बढ़ा रहे हैं। उदाहरण के लिए, फोर्टिस हेल्थकेयर ने चेन्नई में 250 बेड जोड़े हैं और वह अगले एक साल में अपने नेटवर्क में 300 बेड और जोड़ने की योजना बना रही है। मणिपाल हॉस्पिटल्स ने पिछले एक साल में अपने मौजूदा नेटवर्क के भीतर 15 फीसदी और बेड जोड़े हैं जिससे कुल बेड की तादाद 7,300 बेड हो गई है। मौजूदा संकट से मरीज और अस्पताल दोनों को ही जूझना पड़ा है। ऐसे में बड़े और छोटे अस्पताल भी ऑक्सीजन का इंतजाम करने के साथ ही अपने ऑक्सीजन संयंत्र भी बना रहे हैं। उजाला सिग्नस समूह अस्पताल के संस्थापक निदेशक शुचिन बजाज ने कहा, 'हम ज्यादातर ग्रामीण क्षेत्रों और छोटे शहरों में मौजूद हैं जहां दूसरी लहर का असर लोगों पर बड़े पैमाने पर पड़ा है। हम अगले कुछ महीनों में अपने सभी 15 अस्पतालों में ऑक्सीजन संयंत्र लगाएंगे। उम्मीद है कि तीसरी लहर से पहले ही ये सब हो जाएगा।'

पश्चिम बंगाल में जहां कोविड मामले में उतार-चढ़ाव वाले संकेत मिल रहे हैं, ऐसे में प्राइवेट अस्पताल स्टेडियम और सभागारों में कोविड से जुड़ी इकाइयां तैयार कर रहे हैं। राज्य ने पिछले एक महीने में बेड की क्षमता दोगुनी से ज्यादा कर दी है और आईसीयू के साथ-साथ गंभीर मरीजों के लिए विशेष बेड का बड़ा संकट है। उद्योग के अनुमानों के अनुसार, देश में वेंटिलेटर की तादाद बढ़ाकर दो लाख तक करने की थी जबकि इस वक्त 40,000 इनवेसिव वेंटिलेटर ही काम कर रहे हैं। एक प्रमुख वेंटिलेटर निर्माता ने नाम न बताने की शर्त पर बिज़नेस स्टैंडर्ड को बताया कि पहली लहर के दौरान पीएम केयर फंड के जरिये 60,000 वेंटिलेटर का ऑर्डर दिया गया था लेकिन पिछले साल पहली लहर खत्म होने के बाद केवल 10,000 वेंटिलेटर ही खरीदे गए। ट्राइविट्रॉन और मैक्स वेंटिलेटर जैसे वेंटिलेटर निर्माता अपनी क्षमता का विस्तार कर रहे हैं।

तीसरी लहर का मुकाबला करने का एक निश्चित तरीका युद्धस्तर पर टीके लगाना भी है जैसा कि अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देशों ने किया है और चुनौती यह भी है कि टीके की आपूर्ति सुनिश्चित करने के साथ ही बढ़े हुए जीन अनुक्रमण के माध्यम से म्यूटेशन पर नजर रखी जाए। मैक्सहेल्थकेयर के निदेशक (आंतरिक मामले) रोमे टिक्कू का कहना है, 'आप अपनी सुरक्षा के स्तर को कम नहीं कर सकते। बच्चों से जुड़ी बीमारियों के विभागों को अब ज्यादा सावधान रहना होगा क्योंकि अगली लहर में बच्चों पर ज्यादा असर पड़ेगा।'

प्रशिक्षित कर्मचारी

अस्पतालों को इस बात की चिंता है कि जब तक तीसरी लहर आएगी तब तक मौजूदा लहर से ही कई डॉक्टर भयभीत हो चुके होंगे ऐसे में उनके लिए कर्तव्यों का पालन करना मुश्किल होगा। इस लिहाज से स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में लोगों की कमी होगी। सरकार ने हाल ही में कोविड से जुड़ी ड्यूटी के लिए मेडिकल इंटर्न को नियुक्त करने की घोषणा की है और हल्के लक्षण वाले कोविड मरीजों की देखभाल करने के लिए अंतिम वर्ष के एमबीबीएस छात्रों की सेवाएं लेने की घोषणा भी की गई है। हालांकि उद्योग को लगता है मौजूदा 75,000 एमबीबीएस स्नातकोत्तर सीटों की संख्या के आधे से भी थोड़े कम हैं। 2014 के बाद से यह अनुपात नहीं बदला है।

ज्ञानी ने कहा, 'हमें मध्यम स्तर के विशेषज्ञों के लिए और अधिक पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रमों को प्रोत्साहित करने और हर अस्पताल को एक शिक्षण अस्पताल में तब्दील करने की जरूरत है ताकि विशेषज्ञ डॉक्टर तैयार हो सकें।' विशेषज्ञों ने प्रशिक्षित मेडिकल कर्मचारियों की तात्कालिक आवश्यकता को पूरा करने के लिए नर्सिंग स्टाफ, लैब तकनीशियनों और डॉक्टरों के लिए क्रैश कोर्स की भी सिफारिश की है।

मणिपाल ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के एमडी दिलीप होसे ने कहा, 'हमें स्वास्थ्य पेशेवरों की एक अगली कतार तैयार करनी होगी जो थोड़े कम गंभीर मरीजों की देखभाल करने में सक्षम होंगे जबकि पहले से ही अनुभवी लोग गंभीर मरीजों की देखभाल करेंगे।'

(रुचिका चित्रवंशी, सोहिनी दास, ईशिता आयान दत्त और विनय उमरजी)

विशेषज्ञ बोले

तीसरी लहर आने की पूरी आशंका है पर यह साफ नहीं है कि तीसरी लहर की शुरुआत कब होगी। हमें संक्रमण की नई लहरों के लिए तैयार रहना चाहिए

के विजय राघवन
प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार

दूसरी लहर में संक्रमित लोग तीसरी लहर में प्रभावित नहीं होंगे। सुनियोजित टीकाकरण अभियान शुरू करें तो तीसरी लहर का असर कम हो सकता है

शशांक जोशी
सदस्य, कोविड कार्यबल, महाराष्ट्र

अगले एक दो महीने में महामारी का प्रकोप कम होने की उम्मीद है। टीके और कोविड-19 से बचाव के निर्देशों के पालन से तीसरी लहर कमजोर रह सकती है

डॉ. रणदीप गुलेरिया
निदेशक, एम्स, नई दिल्ली

साल के अंत तक उपलब्ध होंगे टीके

सोहिनी दास

इस वर्ष के अंत तक देश में कोविड-19 टीकों की आपूर्ति तेजी से बढ़ने की उम्मीद है क्योंकि उस समय तक न केवल कई अन्य कंपनियों के टीके उपलब्ध होंगे बल्कि टीका निर्माण के लिए जरूरी कच्चे माल की कमी भी दूर हो जाएगी। इससे यही संकेत निकलता है कि भारत महामारी की तीसरी लहर से निपटने के लिए बेहतर स्थिति में होगा।

भारत में अब तक 3.72 करोड़ लोगों को टीके की दोनों खुराक दी जा चुकी हैं जबकि 13.55 करोड़ लोगों को कम से कम एक टीका लग चुका है। इस बीच देश के कई राज्यों ने टीकों की कम होती तादाद को लेकर चिंता जताई है क्योंकि यह कमी टीकाकरण अभियान को प्रभावित करेगी। उदाहरण के लिए महाराष्ट्र ने तय किया है कि उसके पास जो टीके उपलब्ध हैं उन्हें वह 45 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को लगाएगा और 18-44 वर्ष की श्रेणी में टीकाकरण फिलहाल बंद रहेगा।

बहरहाल, विश्लेषकों के आंकड़े बताते हैं कि आने वाले महीनों में टीकों की आपूर्ति में सुधार हो सकता है। येस सिक्युरिटीज रिसर्च की एक रिपोर्ट के अनुसार सितंबर तक घरेलू टीका विनिर्माण क्षमता बढ़कर करीब 20 करोड़ खुराक प्रति माह हो जाएगी। फिलहाल यह 9 करोड़ खुराक प्रति माह है। दिसंबर तक क्षमता में और विस्तार होगा और यह 26.5 करोड़ खुराक प्रति माह हो जाएगी। इस अनुमान में रूसी टीके स्पूतनिक वी और कैडिला हेल्थकेयर के डीएनए-प्लाज्मिड टीके जायकोवी-डी का उत्पादन शामिल होने की बात शामिल है। येस सिक्युरिटीज के विश्लेषकों का अनुमान है कि अरविंदो फार्मा जो कई टीकों पर काम कर रही है वह भी दिसंबर तक टीकों का उत्पादन शुरू कर देगी।

इस बीच कोवैक्सीन टीका बनाने वाली भारत बायोटेक भी अपनी क्षमता बढ़ाने में लगी है। गत माह केंद्र सरकार ने कहा था कि वह कोवैक्सीन का उत्पादन मौजूदा एक करोड़ खुराक प्रति माह से 10 गुना बढ़ाने की योजना बना रही है। लक्ष्य यह है कि सितंबर तक उत्पादन को 10 करोड़ खुराक प्रति माह पहुंचा दिया जाए। उस समय तक भारत बायोटेक के साथ तीन अन्य सरकारी कंपनियां कोवैक्सीन का निर्माण शुरू कर देंगी। कंपनी की योजना अपने सालाना उत्पादन को 70 करोड़ खुराक तक पहुंचाने की है।

दूसरी ओर सीरम इंस्टीट्यूट कच्चे माल के लिए नए माध्यम तलाश कर रहा है। सीरम इंस्टीट्यूट के सीईओ अदार पूनावाला ने हाल ही में एक साक्षात्कार में संकेत दिया है कि अगर कच्चा माल आसानी से मिलता है तो कंपनी नोवावैक्स टीके की 50 फीसदी अधिक खुराक तैयार कर सकती है।

सीरम इंस्टीट्यूट नोवावैक्स टीके तैयार कर रहा है जबकि उसे अभी अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन की मंजूरी मिलनी बाकी है। कंपनी ने हर महीने नोवावैक्स की 5 करोड़ जबकि कोविशील्ड की 10 करोड़ खुराक तैयार करने का लक्ष्य तय किया है। इतना ही नहीं जाइडस कैडिला भी सालाना करीब 24 करोड़ खुराक तैयार करने का लक्ष्य लेकर चल रही है। नीति आयोग के स्वास्थ्य सदस्य वी के पॉल ने गत माह संकेत दिया था कि बायॉलॉजिकल ई का टीका जो तीसरे चरण के चिकित्सकीय परीक्षण से गुजर रहा है, वह भी अगस्त तक उपलब्ध हो सकता है। इसके अलावा विदेशी टीका निर्माता कंपनियां फाइजर और मॉडर्ना भी अगले कुछ महीनों में भारत में टीकों की आपूर्ति शुरू कर सकती हैं।

येस सिक्युरिटीज के विश्लेषकों का कहना है कि अमेरिका में बनने वाले टीकों में से 20 फीसदी अगले कुछ महीनों में भारत निर्यात होने लगेंगे। रिपोर्ट में कहा गया कि इस हिसाब से वित्त वर्ष 2022 में टीकों का आयात 15.5 से 17 करोड़ खुराक तक रह सकता है।

विश्लेषकों का अनुमान है कि दुनिया भर में 5.6 अरब लोगों का टीकाकरण करने की जरूरत होगी क्योंकि 30 फीसदी आबादी 18 वर्ष से कम उम्र की है। अमेरिका में 25 करोड़ और यूरोप में 32 करोड़ लोगों के साथ आबादी का बड़ा हिस्सा अगले कुछ महीनों में टीकाकृत हो चुका होगा। चीन अपनी वयस्क आबादी के टीकाकरण के लिए पूरी तरह अपने देसी टीके पर भरोसा कर रहा है। रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका में सामूहिक प्रतिरोधक क्षमता विकसित होने के बाद वहां के टीका विनिर्माताओं को दुनिया की 4 अरब आबादी को ध्यान में रखकर टीका उत्पादन करना होगा। चूंकि भारत की एक अरब की वयस्क आबादी अमेरिकी टीकों के 4 अरब के इस संभावित बाजार का चौथाई हिस्सा है इसलिए भारत को अमेरिकी टीका निर्यात का 20 से 25 फीसदी हिस्सा मिल सकता है।

orientbell tiles

EXTRACT OF STANDALONE & CONSOLIDATED FINANCIAL RESULTS FOR THE QUARTER AND YEAR ENDED MARCH 31, 2021

Rs. in lakh

S. No.	Particulars	Standalone					Consolidated	
		Quarter ended			Year ended		Year ended	
		31/Mar/2021 (Audited)	31/Dec/2020 (Unaudited)	31/Mar/2020 (Audited)	31/Mar/2021 (Audited)	31/Mar/2020 (Audited)	31/Mar/2021 (Audited)	31/Mar/2020 (Audited)
1	Total Income from Operations	18,208	14,836	12,906	50,434	49,754	50,434	49,754
2	Net Profit/(Loss) for the period (Before Tax and Exceptional Items)	1,301	940	27	807	263	807	263
3	Net Profit/ (Loss) for the period (Before Tax and after Exceptional Items)	1,301	940	27	1,078	263	1,143	292
4	Net Profit/ (Loss) for the period (After Tax and Exceptional Items)	800	710	541	702	683	768	712
5	Total Comprehensive Income for the period [Comprising Profit/(Loss) for the Period (after Tax) and Other Comprehensive Income (after Tax)]	858	727	559	809	748	875	778
6	Paid up Equity Share Capital (Face value of Rs.10/- each)	1,435	1,434	1,428	1,435	1,428	1,435	1,428
7	Other Equity (Excluding Revaluation Reserve)	-	-	-	23,303	22,408	23,491	22,533
8	Earnings Per Share (of Rs. 10/- each) (For continuing and discontinued operations)							
	1. Basic (amount in Rs.)	5.59	4.96	3.79	4.90	4.78	5.36	4.99
	2. Diluted (amount in Rs.)	5.54	4.92	3.75	4.86	4.73	5.32	4.94

Note:

1. The above is an extract of the detailed format of quarterly standalone and consolidated financial results filed with the stock exchanges under regulation 33 of the SEBI (Listing Obligation and Disclosure Requirements) Regulation,2015. The full format of the quarterly standalone and consolidated financial results are available on the stock exchange websites. (URL-www.nseindia.com and www.bseindia.com) and also on Company's website at https://www.orientbell.com.
2. The above standalone and consolidated financial results have been reviewed by Audit Committee and thereafter approved and taken on record by the Board of Directors in its meeting held on May 13, 2021. The Statutory auditor has expressed an unmodified audit opinion on these standalone and consolidated financial statements.
3. There is no change(s) in accounting policies which have impact on net profit / loss, total comprehensive income or any other relevant financial item(s).
4. Exceptional items adjusted in the Statement of Profit and Loss in accordance with Ind-AS Rules.

For and on behalf of the Board of Directors of Orient Bell Limited
Madhur Daga
Managing Director

Place : New Delhi
Date : 13th May 2021

Orient Bell Limited
CIN: L14101UP1977PLC021546
Registered Office : 8, Industrial Area, Sikandrabad - 203205, Dist. Bulandshahr, U. P.
Corporate Office : Iris House, 16 Business Center, Nangal Raya, New Delhi-110 046
+91-11-47119100 | investor@orientbell.com | www.orientbell.com

orientbell tiles Stay Safe. Stay Inside

#WearAMask